पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग),
भारत सरकार
****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, पौष 05, 1945
मंगलवार, दिसम्बर 26, 2023

रक्षा मंत्री ने मुंबई में स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस इम्फाल का जलावतरण किया

75% स्वदेशी सामग्री, उन्नत स्टील्थ सुविधाओं व अत्याधुनिक हथियारों तथा सेंसर के साथ यह जहाज भारत की समुद्री शक्ति को और मजबूत करेगा तथा राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा

आईएनएस इंफाल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 'जलमेव यस्य, बलमेव तस्य' के हमारे सिद्धांत को मजबूती प्रदान करेगा: श्री राजनाथ सिंह

"भारत की बढ़ती शक्ति ने कुछ ताकतों को ईर्ष्या और घृणा से भर दिया है; मर्चेंट वेसल्स 'केम प्लूटो' और 'साईं बाबा' पर हमलों के अपराधियों पर जल्द ही न्यायिक कार्यवाही की जाएगी।"

"हिंद महासागर क्षेत्र में भारत नेट सुरक्षा प्रदाता की भूमिका निभाता है। मित्र देशों के साथ मिलकर, हम समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समुद्री व्यापार अधिक ऊंचाइयों को छुए।"

26 दिसंबर, 2023 को नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई में आयोजित एक प्रभावशाली समारोह में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में पी15बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस इम्फाल को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। चार स्वदेशी 'विशाखापट्टनम' श्रेणी के विध्वंसकों में से तीसरे को औपचारिक रूप से शामिल करने के लिए यह आयोजन किया गया। इन विध्वंसकों को नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया जा रहा है और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने आईएनएस इम्फाल को रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' का एक शानदार उदाहरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारतीय नौसेना, एमडीएल और अन्य सभी हितधारकों की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा, 'आईएनएस इंफाल भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक है तथा यह इसे और मजबूत करेगा। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 'जलमेव यस्य, बालमेव तस्य' के हमारे सिद्धांत को मजबूती प्रदान करेगा।

जहाज की लंबाई 163 मीटर, चौड़ाई 17 मीटर और 7,400 टन विस्थापन है तथा यह भारत में निर्मित सबसे शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक है। पोत को शक्तिशाली चार गैस टर्बाइनों से गति मिलती है, जो सीओजीएजी पैमाने के हैं। यह जहाज 30 समुद्री मील से अधिक की गति से चलने में सक्षम है। जहाज में लगभग 315 कर्मियों को समायोजित किया जा सकता है। इसकी कमान गनरी और मिसाइल विशेषज्ञ कैप्टन केके चौधरी के हाथ में है। यह देश की समुद्री सुरक्षा व हितों की रक्षा के लिए नौसेना की गतिशीलता, पहुंच और लचीलेपन को बढ़ाएगा।

आईएनएस इम्फाल ने स्टील्थ विशेषताओं को बढ़ाया है, जिसके परिणामस्वरूप रडार क्रॉस सेक्शन में कमी आई है। यह पतवार के कुशल आकार, पूर्ण बीम सुपरस्ट्रक्चर डिजाइन, प्लेटेड मास्ट और उजागर डेक पर रडार पारदर्शी सामग्री के उपयोग के माध्यम से हासिल किया गया। यह अत्याधुनिक हथियारों और सेंसरों से लैस है, जिसमें सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, पनडुब्बी-रोधी वारफेयर (एएसडब्ल्यू) रॉकेट लांचर और टारपीडो लॉन्चर, एएसडब्ल्यू हेलीकॉप्टर, रडार, सोनार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम शामिल हैं। यह जहाज परमाणु, जैविक और रासायनिक युद्ध स्थितियों में लड़ने के लिए सक्षम है।

इस जहाज की विशेषता यह है कि इसमें लगभग 75% स्वदेशी सामग्री लगी है। यह पोत 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रयासों को प्रतीक है। स्वदेशी उपकरणों/प्रणालियों में कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम, रॉकेट लॉन्चर, टारपीडो लॉन्चर, इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम, ऑटोमेटेड पावर मैनेजमेंट सिस्टम, फोल्डेबल हैंगर डोर्स, हेलो ट्रैवर्सिंग सिस्टम, क्लोज-इन वेपन सिस्टम और बो-माउंटेड सोनार शामिल हैं।

रक्षा मंत्री ने आईएनएस इम्फाल को देश की विभिन्न शक्तियों के समूह के रूप में परिभाषित किया। ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने जहाज पर ब्रह्मोस मिसाइल स्थापित की। टॉरपीडो ट्यूब लॉन्चर लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) के हैं। रैपिड गन माउंट को भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) और मध्यम दूरी की मिसाइलों को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा स्थापित किया गया है। इसके अलावा, कई स्टार्ट-अप और एमएसएमई इसके निर्माण में शामिल हैं। जिस तरह आईएनएस इंफाल को कई तत्वों ने मूर्त रूप दिया है, उसी तरह 'विकासशील भारत' बनने के लिए सभी क्षेत्रों के लोगों को मिलकर काम करना चाहिए। हर नागरिक भारत की सुरक्षा और प्रगति का वाहक है। जब भी कोई व्यक्ति काम करता है तो उसे देश की बेहतरी को ध्यान में रखना चाहिए।

श्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए तीनों सेनाओं के आधुनिकीकरण पर समान रूप से जोर देने के सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि पहले की सरकारों ने केवल भूमि आधारित खतरों से देश की रक्षा करने पर ध्यान केंद्रित किया था। उन्होंने कहा कि उत्तर में हिमालय और पश्चिम में पाकिस्तान के शत्रुतापूर्ण व्यवहार की वजह से भारत का अधिकांश माल का व्यापार समुद्र के माध्यम से होता है, जो हमें 'व्यापार' के दृष्टिकोण से एक द्वीप देश बनाता है। उन्होंने नौसेना की क्षमताओं को लगातार विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि भारत के राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए वैश्विक व्यापार बहुत महत्वपूर्ण है।

रक्षा मंत्री ने अरब सागर में मर्चेंट वेसल (एमवी) केम प्लूटो पर हाल ही में हुए संदिग्ध ड्रोन हमले और लाल सागर में 'एमवी साईं बाबा' पर हुए हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक शक्ति ने कुछ ताकतों को ईर्ष्या और घृणा से भर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने हमलों को बहुत गंभीरता से

लिया है और नौसेना ने अपनी निगरानी बढ़ा दी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन हमलों के दोषियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा, 'भारत पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में नेट सुरक्षा प्रदाता की भूमिका निभाता है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इस क्षेत्र में समुद्री व्यापार अधिक ऊंचाइयों को छुए। इसके लिए हम अपने मित्र देशों के साथ मिलकर समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखेंगे। हमें अपनी नौसेना की क्षमता और ताकत पर पूरा भरोसा है।

अपने संबोधन में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि आईएनएस इम्फाल को रक्षा में आत्मनिर्भरता के विजन को प्राप्त करने की दिशा में भारतीय नौसेना की अविचल प्रतिबद्धता का एक चमकता हुआ प्रतीक होने का गौरव प्राप्त है। उन्होंने इसे सरकार के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विजन का प्रमाण भी बताया। उन्होंने कहा कि जहाज न केवल समुद्र से निकलने वाले भौतिक खतरों से निपटेगा, बल्कि एक एकीकृत देश की ताकत का भी प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा, 'आईएनएस इम्फाल राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वाले विभिन्न मंसूबों को नाकाम करेगा। यह दुश्मन पर आग बरसाएगा और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में दृढ़ संकल्प दिखाएगा।

नौसेना प्रमुख ने विश्वास जताया कि चौथा प्रोजेक्ट 15बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक 'सूरत' 2024 में नौसेना में शामिल हो जाएगा। आईएनएस इम्फाल के जलावतरण से पहले, एक ही श्रेणी के दो विध्वंसक आईएनएस विशाखापट्टनम और आईएनएस मोरमुगाओ को क्रमशः 2021 और 2022 में नौसेना में शामिल किया गया था।

एडमिरल आर हरि कुमार ने बताया कि मर्चेंट शिपिंग पर समुद्री डकैती और ड्रोन हमलों का मुकाबला करने के लिए, भारतीय नौसेना ने प्रोजेक्ट 15 बी और 15 ए श्रेणी के चार विध्वंसक तैनात किए हैं। उन्होंने कहा कि इन खतरों का मुकाबला करने के लिए पी 8 आई विमान, डोर्नियर, सी गार्डियन, हेलीकॉप्टर और तटरक्षक जहाजों को संयुक्त रूप से तैनात किया गया है।

नौसेना प्रमुख ने कहा कि नौसेना का लक्ष्य देश के प्रत्येक जिले, प्रत्येक ब्लॉक और प्रत्येक गांव से कम से कम एक अग्निवीर को शामिल करना है। उन्होंने कहा, 'रणनीति

देश के हर कोने से युवा पुरुषों और महिलाओं को आकर्षित करना, सेवा में रहते हुए उन्हें कौशल प्रदान करना, शिक्षा संस्थानों के माध्यम से उनकी क्षमताओं को प्रमाणित करना, उनमें राष्ट्रवाद की भावना पैदा करना और यह सुनिश्चित करना है कि वे अमूल्य संपत्ति के रूप में नागरिक क्षेत्र में फिर से शामिल हों। हमारा दृष्टिकोण देश के कोने-कोने में इस तरह के राष्ट्रवादी कार्यबल को फैलाना है।

आईएनएस इंफाल की नींव 19 मई, 2017 को रखी गई थी और जहाज को 20 अप्रैल, 2019 को लॉन्च किया गया था। जहाज 28 अप्रैल, 2023 को अपनी पहली समुद्री यात्रा के लिए रवाना हुआ। छह महीने से भी कम वक्त की रिकॉर्ड समय सीमा में 20 अक्टूबर, 2023 को इसकी डिलीवरी की गई। आईएनएस इम्फाल के निर्माण और परीक्षणों में लगने वाला समय किसी भी स्वदेशी विध्वंसक के लिए सबसे कम है। जहाज ने विस्तारित रेंज ब्रह्मोस के पहले परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे यह 'वेपन-रेडी' (युद्ध के लिए तैयार) हो गया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और एमडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार वाले निदेशक (वित्त) श्री संजीव सिंघल भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

एबीबी/एसएस